

विस्तृत खबरों के लिए **QR**
कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें **E-paper**

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



माला सिंगल बच जज क आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सी. हरिशंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि आपने बाकी सभी लोगों को यह कहकर बदमान कर दिया कि वे नहीं जानते च्यवनप्राश क्या है और कैसे बनता है। बच ने कहा कि सिंगल जज ने एड को अपमानजनक माना। यह अंतरिम आदेश है। जरूरी नहीं हम भी

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी घटना की मजिस्ट्रेटी जांच कराएँ सीएम: बार लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में बीते दिनों अधिवक्ताओं और पुलिस के बीच हुए विवाद को लेकर वकीलों के समर्थन में बार काउंसिल आफ उत्तरप्रदेश उतर आया है। काउंसिल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के साथ ही अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को लागू करने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा है कि यदि मांगों पर तत्काल प्रभाव से संज्ञान लेकर ठोस कार्यवाही नहीं की गई, तो अधिवक्ता समाज विवश होकर प्रदेश स्तरीय एक बड़ा आंदोलन करेगा।

चुनाव आयोग को हमसे परहेज क्यों: कांग्रेस नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि चुनाव आयोग जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) तथा एक निजी कंपनी को डाटा दे सकता है, तो कांग्रेस को यह डाटा देने में परहेज क्यों किया जा रहा है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने आधिकारिक पेज में आयोग से सवाल किया है कि चुनाव आयोग से बार-बार डाटा मांगा जा रहा है, लेकिन आयोग पार्टी को डाटा नहीं दे रहा है जबकि इससे पहले वह बीआरएस तथा एक निजी कंपनी को डाटा उपलब्ध करा चुका है। आयोग ने इस निजी कंपनी को पेंशनर लाइव वेरिफिकेशन के लिए सह डाटा सौंपा था। पार्टी ने सवाल किया, चुनाव आयोग ने तेलंगाना की बीआरएस सरकार और प्राइवेट कंपनी को वोटरों का डेटा दिया था। इसमें वोटरों की तस्वीर और उनका पता शामिल था। तेलंगाना सरकार ने 2019 में 'पेंशनर लाइव वेरिफिकेशन सिस्टम' लॉन्च किया था और इस काम को एक प्राइवेट कंपनी को सौंपा गया था।

छह साल से चुनाव न लड़ने पर 474 पार्टियां डीलिट

नई दिल्ली, वार्ता
■ 359 पर एक्शन शुरू, चुनाव आयोग ने दो महीने में 808 पार्टियों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए
रिपोर्ट जमा नहीं की। ये पार्टियां चुनाव में उतरी थीं, लेकिन जरूरी रिपोर्ट समय पर दाखिल नहीं की, जिसकी वजह से अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। चुनाव आयोग ने कहा है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ को इन पार्टियों को शो-काज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।
पार्टियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा और सुनवाई के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। 26 अगस्त को आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात में रजिस्टर्ड 10 गुमानाम से राजनीतिक दलों को 2019-20 से 2023-24 के पांच साल में 4300 करोड़ चंदा मिला। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान गुजरात में हुए तीन चुनावों (2019, 2024 के दो लोकसभा और 2022 का विधानसभा) में इन दलों ने महज 43 प्रत्याशी उतारे और इन्हें कुल 54,069 वोट मिले। इन दलों और इनके प्रत्याशियों की निर्वाचन आयोग में जमा रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। इन्होंने चुनाव रिपोर्ट में खर्च महज 39.02 लाख बताया कि जबकि ऑडिट रिपोर्ट में 3500 करोड़ रुपये खर्च दर्शाया है। देश में नाममात्र के वोट पाने वाली रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की आय 2022-23 में 223 फीसदी बढ़ गई। यह जानकारी एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2764 गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। इनमें से 73 फीसदी से ज्यादा (2025) ने अपना फाइनेंशियल रिकॉर्ड सार्वजनिक ही नहीं किया है। बाकी 739 रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों ने अपना रिकॉर्ड साझा किया है।
रिपोर्ट में इन्हीं पार्टियों का एनालिसिस किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि गुजरात की ऐसी 5 पार्टियों की कुल आय 2316 करोड़ रही। इनमें एक साल की आमदनी 1158 करोड़ थी। जबकि बीते 5 सालों में हुए 3 चुनावों में इन्हें सिर्फ 22 हजार वोट मिले।

इतना बड़ा झूठ न बोलें- पद की गरिमा का रखें ख्याल: अखिलेश

लखनऊ, वार्ता
उत्तर प्रदेश में मेट्रो संचालन को लेकर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बगैर पलटवार करते हुए कहा कि जिसका प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और जनता ने साक्षात् अनुभव किया हो, उसको लेकर इतना बड़ा झूठ नहीं बोलना चाहिए।
उन्होंने कहा कि सफेद झूठ बोलने से व्यक्ति की गरिमा भी गिरती है और उन सभी पदों की प्रतिष्ठा और मान-मर्यादा भी जिन पर वो बैठता है। सत्ता का ऐसा भी क्या लालच कि उस बात को झूठ बताया जिसके प्रमाण हर तरह से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और जनता ने जिसका खुद साक्षात् अनुभव किया हो। इतना बड़ा झूठ बोलना तभी संभव होता है, जब व्यक्ति या तो चेतना खो दे या सच्चाई या अपने आदर्श और सत्य के संस्कार। ऐसे महाझूठ वक्ता दरअसल अपने लोगों को महामूर्ख समझते हैं। वो मानते हैं कि उनके अनुयाई उनकी हर बात को सच ही मानेंगे, लेकिन ऐसा होता नहीं है।

पं. दीन दयाल के स्मृति महोत्सव में बोले सीएम योगी

यूपी की युवा ऊर्जा ही देश को ले जाएगी आगे

शाह टाइम्स संवाददाता
मथुरा। सीएम योगी अन्त्योदय के प्रणेता और एकात्म मानव दर्शन के वक्ता पंडित दीन दयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि पंडित जी का सपना आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। पंडित उपाध्याय जी ने 1950 के दशक में भारत के राजनीतिक नेतृत्व को जो दृष्टि दी थी, वही आज वोक्ल फोर लोकल और स्वदेशी के रूप में मूर्तरूप ले चुकी है।
सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अक्षय को संभव बनाया गया है, चाहे कश्मीर से धारा 370 हटाना हो, अथवा में महसूस कर रहा होगा। निर्माण हो या 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करना हो।
सीएम योगी ने कहा कि जो कभी असंभव लगता था, वही आज देश की ताकत बन चुका है। यही पंडित जी के मंत्र का प्रभाव है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगा। योगी ने कहा कि आज का समय युवाओं का है। यूपी के पास सबसे बड़ी युवा ऊर्जा है और यही भारत की आगे ले जाएगी। उन्होंने बताया कि सीएम युवा स्क्रीम के तहत सरकार 5 लाख

यूपी के शिक्षामित्रों के मानदेय मामले में हाईकोर्ट सख्त, अपर मुख्य सचिव तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार को निर्देश दिया कि वह शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने के मामले में आदेश का पालन करते हुए अनुपालन हलफनामा दाखिल करें या 27 अक्टूबर को हाजिर हों। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने वाराणसी के विवेकानंद की अवमानना अर्जी पर दिया।
हाईकोर्ट में 18 सितंबर 2025 को सुनवाई में महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा, शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रताप सिंह बघेल और सचिव यूपी बेसिक शिक्षा बोर्ड सुरेंद्र कुमार तिवारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। इनके हलफनामों को कोर्ट ने रिकॉर्ड में ले लिया। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सुनवाई के दौरान अनुपस्थित थे लेकिन उन्होंने छूट के आवेदन के साथ अपना हलफनामा प्रस्तुत किया। इस पर कोर्ट ने बृहस्पतिवार लिए व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी। सरकारी वकील ने कोर्ट से रिट कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए चार सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा। वहीं याची के अधिवक्ता सतेंद्र चंद्र त्रिपाठी इस पर



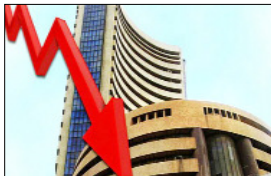
गंभीर आपत्ति जताई और कहा कि पिछली बार भी समय मांगा गया था लेकिन आदेश का पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार को अगली सुनवाई की तारीख 27 अक्टूबर 2025 पर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। इस हलफनामे में रिट कोर्ट के आदेश का पूर्ण अनुपालन दिखाया जाना चाहिए। कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि वह ऐसा करने में विफल रहते हैं तो उन पर आरोप तय करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहना होगा। वहीं अन्य अधिकारियों को अगले आदेश तक व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी गई है।

चांदी रु. 128000
प्रति किलो
आज भारत का युवा जांब सीकर नहीं, बल्कि जांब क्रिएटर बन रहा है। स्टार्टअप केवल आईटी सेक्टर में ही नहीं बल्कि खन डिस्ट्रिक्ट बन प्रोडक्ट और गो आधारित खेती जैसे क्षेत्रों में भी स्टार्टअप

 सेलेक्स 82626.23 निफ्टी 25327.05	 सोना रु. 111330 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)	 चांदी रु. 128000 प्रति किलो	
---	--	--	---

शेयर बाजारों में तेजी थमी, सेंसेक्स लुढ़का

मुंबई, वार्ता
घरेलू शेयर बाजारों में ऊंचे स्तर पर हुई विकवाली से शुक्रवार को गिरावट रही और बीएसई 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 387.73 अंक (0.47 प्रतिशत) लुढ़क कर 82,626.23 अंक पर बंद हुआ। बाजार में आज शुरू से ही गिरावट रही। पिछले कुछ दिनों की तेजी के बाद मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 67.92 अंक टूटकर 82,946.04 अंक पर खुला और एक समय 500 अंक से अधिक गिर गया था।
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 सूचकांक भी गुरुवार के मुक. बढ़े 96.55 अंक यानी 0.38 प्रतिशत नीचे 25,327.05 अंक पर बंद हुआ। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में सबसे अधिक 1.52 प्रतिशत की गिरावट रही। आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, टैट, कोटक महिंद्रा बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक टूटे। भारतीय स्टेट बैंक में 0.91 प्रतिशत की तेजी के अलावा भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स



विदेशी मुद्रा भंडार फिर 700 अरब डॉलर के पार
मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 सितम्बर को समाप्त सप्ताह में 4.698 अरब डॉलर बढ़कर 702.966 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का दूसरा उच्चतम स्तर है। विदेशी मुद्रा भंडार का अब तक का उच्चतम स्तर 704.885 अरब डॉलर है, जो 24 सितम्बर 2024 को समाप्त सप्ताह में दर्ज किया गया था। लगातार तीन सप्ताह की तेजी के साथ अब यह एक बार फिर उसके करीब पहुंच गया है। इससे पहले, गत 05 सितम्बर को समाप्त में विदेशी मुद्रा भंडार का देश का भंडार 4,038 अरब डॉलर बढ़कर 698.268 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 12 सितम्बर 2025 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 2.537 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई और यह 587.014 अरब डॉलर हो गया। साथ ही स्वर्ण भंडार भी 1.220 अरब डॉलर बढ़कर 92.419 अरब डॉलर रहा।

सोने और चांदी के भाव में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। शुक्रवार को सोने और चांदी के दाम बढ़ गए। देश में 24 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड के दाम 160 रुपये बढ़कर 1,11,330 रुपये पर आ गए। वहीं चांदी के रेट में भी 2000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के डेटा के मुताबिक देश में सिर्फ ओवरऑल सोने के भाव नहीं बढ़े हैं, बल्कि देश के बाकी शहरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई में भी सोने की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। चांदी की चमक भी बढ़ गई है। देश की राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई में सोने और चांदी कीमतों में तेजी देखी जा रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड खरीदने के लिए 1,11,480 रुपये देने होंगे। इसके अलावा 1 किलोग्राम चांदी के लिए 1,11,480 रुपये चुकाने होंगे। वहीं अगर मुंबई की बात करें, तो गोल्ड और सिल्वर के दाम वहां भी बढ़े हैं।

चावल-चीनी मजबूत, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़, दालों के भाव टूटे

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिस बाजारों में शुक्रवार को चावल के दाम बढ़ गए, जबकि गेहूं में मंदी रही। चीनी के दाम भी बढ़ गए। दालों में नरमी देखी गई, जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा 11 रिगिट टूटकर 4,424 रिगिट प्रति टन बोला गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50.88 डॉलर के भाव बोला गया।
घरेलू थोक जिस बाजारों में चावल की औसत कीमत दो रुपए बढ़कर 3,863.78 रुपए प्रति किंवटल पर पहुंच गई। गेहूं तीन रुपए टूटकर 2,857.15 रुपए प्रति किंवटल के भाव बिकी। आटे के दाम में 15 रुपए प्रति किंवटल की मजबूती रही और यह 3,319.08 रुपए प्रति किंवटल बिकी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सरसों तेल औसतन 43 रुपए और मूंगफली तेल 18 रुपए प्रति किंवटल फिसल गया। पाम ऑयल में भी 10 रुपए प्रति किंवटल अधिक की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल की औसत कीमत दो रुपए प्रति किंवटल बढ़ गई। सोया तेल में 31 रुपए और वनस्पति 16 रुपए प्रति किंवटल महंगा हुआ। दाल-दलहनों में आज नरमी देखी। तुअर दाल की औसत कीमत 40 रुपए प्रति किंवटल टूट गई। उड़द दाल में छह रुपए और मूंग दाल में 18 रुपए प्रति किंवटल की गिरावट रही। मसूर दाल छह रुपए प्रति किंवटल सस्ती हुई, जबकि चना दाल के भाव में कमोबेश स्टाव रहा। गुड़, चीनी : मोटे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत चार रुपए प्रति किंवटल बढ़ गई। चीनी भी तीन रुपए प्रति किंवटल महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे : दाल-दलहन : दाल चना 7967.25 रुपए, मसूर काली 8168.25 रुपए, मूंग दाल 10123.90 रुपए, उड़द दाल 10453.65 रुपए, अरहर दाल 10625.28 रुपए प्रति किंवटल। अनाज : (भाव प्रति किंवटल) गेहूं दूदा 2857.15 रुपए और चावल 3863.78 रुपए प्रति किंवटल।



प्रथम पृष्ठ के शेष...
'बुकर' विजेता...
एडवोकेट ने फिर आरोप लगाया कि आमंत्रित अतिथि मुश्ताक ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं, इसलिए ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जा सकता। जस्टिस नाथ ने कहा कि मामला खारिज कर दिया गया है। हमने तीन बार खारिज कहा है। और कितनी बार खारिज करने की जरूरत है? दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट ने 16 सितम्बर को कहा था कि किसी विशेष धर्म या आस्था को मानने वाले व्यक्ति का किसी दूसरे धर्म के त्योहारों में शामिल होना सैवधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। लेखिका बानू मुश्ताक को मैसूर दशहरा उत्सव के लिए कर्नाटक सरकार ने मुख्य अतिथि बनाया है। 62 साल की बानू मुश्ताक कन्नड़ लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता और किसान आंदोलनों और कन्नड़ भाषा आंदोलनों से जुड़ी रही हैं।
मई 2025 में उन्होंने अपनी कहानी संग्रह एडैया हनाते के लिए इंटरनेशनल बुकर प्राइज जीता है। इस किताब का अंग्रेजी अनुवाद दीपा भट्ट ने किया था। राज्य की सिद्धार्थैया सरकार ने उनके साहित्यिक और सामाजिक योगदान को देखते हुए इस बार दशहरा का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि बानू के लिए हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होना गलत होगा।

त्योहारों में क्यूआर कोड से मिलेगा रेलवे टिकट

नई दिल्ली, वार्ता
यात्रियों की सुविधा और अनारक्षित टिकटों की सुविधा. जनक खरीद सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने आगामी त्योहारों में भीड़ बढ़ने की संभावना के मद्देनजर स्टेशन क्षेत्रों में यूपीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकटों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए क्यूआर कोड स्ट्रिकर के साथ रेट्रो रिफ्लेक्टिव जैकेट पेश किए हैं।
दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने कहा कि रेट्रो रिफ्लेक्टिव जैकेट खरीदे गए हैं, जिनके पीछे क्यूआर कोड स्ट्रिकर मुद्रित हैं, जिन्हें यूपीएस ऐप या रेल वन ऐप के माध्यम से स्कैन करके अनारक्षित टिकट खरीदे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये जैकेट उन लोगों द्वारा पहने जाएंगे, जिन्हें स्टेशन परिसर, प्रवेश या निकास द्वार और टिकट काउंटरों के बाहर जैसे अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में यूपीएस ऐप टिकटिंग को बढ़ावा देने को रेलवे कर्मचारियों ने क्यूआर कोड वाली जैकेट पहनी।
क्षेत्रों में यूपीएस मोबाइल ऐप को बढ़ावा देने के लिए तेजात किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे के सी.पी.आर.ओ. शशिकांत त्रिपाठी ने कहा कि महाकुंभ मेले के दौरान एनसीआर रेलवे ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इस प्रणाली की शुरुआत की थी, जो भीड़ को नियंत्रित करने के साथ-साथ यात्रियों को परेशानी मुक्त टिकट प्रणाली प्रदान करने में एक बड़ी सफलता थी। त्रिपाठी ने कहा कि भारी सफलता को देखते हुए अन्य रेलवे जून भी त्योहारों के दौरान जैकेटों पर क्यूआर कोड लागू कर रहे हैं। एनसीआर भी



क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है

आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मरदाने लाकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।

हाशमी दवाखाना

9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?

अधिक सफुट्ट, डेटाअपेज पावर, शीघ्रपतन, गुणसुक्ता, बचन की गुलियाँ से हमेशा के लिए छुटकारा।

फोन कर घर बैठे औषधियाँ डाक द्वारा प्राप्त करें।

ऋषि इंटरनेशनल

08899787114 09808917010

वैधानिक सूनगा

प्रत्येक को मुबारक दिवस है कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाले सभी विचारों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर से तथा उचित तलाश से। कोई भी अप्रत्याशित जो इस अवसर में प्रकाशित किसी भी विचारों के लेखों में कोई गलत प्रकाश है, किसी व्यक्तिगत या सामाजिक या उनके किसी उद्देश्य के लिए या कोई बचन रचना है, जो ऐसा वाक्यव्यंजन, कृति तथा चर्चित पर कभी कभी, प्रकाशक या उसके किसी कर्मचारी विचारणता या उसके किसी उद्देश्य या सेवा से हुए बिना ऐसे किसी व्यक्ति को सचवां का आवरण नहीं रहे तथा ऐसे विचारों विचारणता के किसी व्यक्ति को हुई थी, होने परीक्षण के लिए विचार्यो नहीं हों।

Cipzer

HEALTHY WITH CARE

जॉन्डिस क्योर

लिवर का जिगरों दोस्त

गुर्न की कमी, बलजुनी जॉन्डिस, सेटी लीवर, एल्कोहल लिवर डिजीज, बाइर से लड़ने की लाकत देता है ताकि आप रहे फिट एन्ड एक्टिव

मनुष्य मरिजात स्टोर पर उपलब्ध।

86 8484 5757 info@cipzer.com

कवि सम्मेलन में प्रस्तुतियों से बांधे रखा समां

जनमंच में आयोजित कार्यक्रम का मेयर डा. अजय, डीएम मनीष बंसल व एसएसपी आशीष तिवारी ने किया उद्घाटन

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। मेला गुघाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्व. सेठ गंगा प्रसाद माहेश्वरी सभागार में नगर निगम द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन महापौर डॉ. अजय कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल, एसएसपी आशीष तिवारी व निवर्तमान महापौर संजीव वालिया द्वारा मां शारदा के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।



कवि सम्मेलन की शुरुआत मूमताज नसीम द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। स्वयं श्रीवास्तव के संचालन में देर रात चले कवि सम्मेलन में सहारनपुर के युवा गीतकार डॉ. मोहि हत संगम के देशभक्ति पूर्ण गीतों ने सभागार गुंजा दिया। नोएडा से आयी मीनाक्षी दिनेश ने अनेक गीतों के साथ

प्रस्तुती दी। उनके बाद आये हास्य रस के जाने माने कवि बलबीर खिचड़ी की हास्य चुटकियाँ ने देर तक श्रोताओं को बांधे रखा। इसके अलावा पदम अलबेला, महाशर आफरीदी, भूपेंद्र राठौर ने भी श्रोताओं की नब्ब



पहचानते हुए एक से बढ़कर गीत प्रस्तुत किये। इससे पूर्व मनोज राणा व मी. युनुस द्वारा कार्यक्रम में पधार शोभित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार

महिपाल सिंह, डॉ. पी डी गर्ग, डॉ. कर्ण सिंह सेनी, उद्यमी सुधाकर अग्रवाल, हेमंत अरोड़ा, योगेश दहिया, शीतल टण्डन आदि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कवि

सफाई मित्र सच्चे प्रहरी: शिपू गिरी

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। नगर निगम द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल के सहयोग से नगर निगम परिसर में स्थापित सेल्फी प्वाइंट 'सेल्फी विद स्वच्छता प्रहरी' का नगरा्युक्त शिपू गिरि ने फीता काटकर व स्वच्छता प्रहरियों के साथ सेल्फी लेकर शुभारंभ किया। यह सेल्फी प्वाइंट नगर निगम परिसर के अलावा जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में भी स्थापित किया गया है।



इस अवसर पर नगरा्युक्त ने कहा कि सफाई मित्र हमारे समाज के सच्चे प्रहरी हैं। उनके परिश्रम से ही हम सबको स्वच्छ वातावरण मिलता है। यह सेल्फी प्वाइंट उनके सम्मान का प्रतीक बनाएगा और नागरिकों को प्रेरित करेगा कि वे स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का रूप दें।

स्वच्छता ही सेवा अभियान को और अधिक सशक्त बनाने तथा नागरिकों के मन में सफाई कर्मियों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत 'मिशन सुनहरा कल' के सहयोग से नगर निगम सहारनपुर द्वारा यह विशेष पहल की गई है। इस अवसर पर नगर निगम के अपर

नगरा्युक्त मृत्युंजय सहित अनेक अधिकारियों ने भी सेल्फी ली। कार्यक्रम में आईटीसी मिशन सुनहरा कल के मर्याद पाण्डेय एवं अन्य प्रतिनिधि तथा नागरिक उपस्थित रहे।

दोनों टेस्ट पास, फिर भी लाइसेंस गलत

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। जिले में परिवहन विभाग की लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ एक युवक ने ड्राइविंग टेस्ट सेंटर में टू-व्हीलर और एलएमवी दोनों की परीक्षा दी और दोनों में पूरे अंक लेकर पास हुआ। टेस्ट रिपोर्ट में साफ लिखा है कि अभ्यर्थी ने 100 में से 100 अंक पाए। इसके बावजूद जब स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस जारी हुआ तो उसमें केवल टू-व्हीलर की श्रेणी दर्ज थी, जबकि एलएमवी की श्रेणी गायब रही।



होना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। दरअसल, सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, ताकि लोगों को सुविधा मिले और भ्रष्टाचार कम हो। लेकिन इस मामले से साफ है कि निचले स्तर पर बैठे कर्मचारी ही गड़बड़ी कर रहे हैं और लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

अब पीड़ित युवक सही लाइसेंस की मांग कर रहा है और चाहता है कि अधिकारी तुरंत गलती सुधारें। यह मामला साबित करता है कि सरकार की वंशा शाफ है, लेकिन विभाग के लापरवाह कर्मचारी ही व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं।

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सहारनपुर शाखा के चुनाव में डा. प्रवीण शर्मा अध्यक्ष, डा. नीरज आर्या सचिव व डा. अनुपम मलिक कोषाध्यक्ष निर्वाचन निर्वाचित हुए। संस्था की ओर से अगले वर्ष 2026-27 के लिए डॉक्टर डा. के. गुप्ता को प्रेसिडेंट इलेक्ट चुना गया है।



वर्तमान आईएमए अध्यक्ष डॉ. नरेश नौसरान और सचिव डॉ. महेश चन्दा के दिशा निर्देश में संपन्न हुए चुनाव में निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर एस पंचांग और डॉ. डॉ. के. तिवारी ने चुनाव के नतीजों की घोषणा की। चुनाव में आईएमए के जुड़े हुए अधिकारी चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया जिसमें डॉ. राहुल सिंह, डॉ. पूनम मखीजा, डॉ. स्वर्णजीत सिंह एवं को

वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया है। आईएमए भवन कोषाध्यक्ष डॉ. संजय कपिल को बनाया चुना गया। विज्ञान सचिव डा. कलम अहमद, सामाजिक सचिव डॉ. ऋतु जैन, सांस्कृतिक सचिव डॉ. दीपशिखा खन्ना और खेल सचिव डॉ. संजीव अग्रवाल को चुना गया है। मेडिको नवनीत डॉक्टर रवि ठाकर और मेम्बरशिप कन्वीनर डॉ. रविना नरिनी को चुने गए।



आईएमए केंद्रीय कार्डिसल का सदस्य डॉ. नरेश नौसरान, डॉ. रजनीश दहूजा और डॉ. सी एम कमाल एवं आईएमए राज्य कार्डिसल का सदस्य डॉ. महेश चन्दा, डॉ. वी. के. भागवत, डॉ. विकास अग्रवाल, डॉ. आर. एस. बंसल, डॉ. सौम्य जैन, डॉ. सुभाष सहारल को

नियुक्त किया गया। आईएमए पत्रिका के संपादक डॉ. अरुण अनेजा और ऑडिटर डॉ. मोहन सिंह एवम् डॉ. प्रशांत खन्ना रहेंगे।

इस अवसर पर डॉ. रिक्की चौधरी, डॉ. विकास तोमर, डॉ. महेश ग्रीवर, डॉ. सुदर्शन नागपाल, डॉ. रजनीश सिंहल, डॉ. निता चन्दा, डॉ. श्वेता अग्रवाल, डॉ. सी एस चोपड़ा, डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. शशिकांत सेनी, डॉ. अमनीश सिंहल, डॉ. प्रवीण मित्तल, डॉ. मन्दीप सिंह आदि मौजूद रहे।

पंजाब पीड़ितों के लिए पार्षद टिंकू ने सौंपी मदद

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। पार्षद और वरिष्ठ सपा नेता अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने पंजाब आपदा के सहयोग के लिए तीन दिवसीय कैंप में एकत्र की गई धनराशि को गुरु सिंह सभा और खालसा ऐंड के पदाधिकारियों को सौंप दी।



अभिषेक टिंकू अरोड़ा टिंकू ने बताया कि अभी हमारे पास बड़ी संख्या में नया कपड़ा और कुछ सहयोग राशि और है जिसे जल्द ही हम पंजाब में पहुंचाने का काम करेंगे। पंजाब आपदा में सहयोग हम अपने नगर के सिखों की सबसे बड़ी संस्था और सिख समाज के द्वारा कवाला चाहता था इसलिए अपने सहयोगियों के साथ यहाँ आये हैं। उन्होंने कहा कि हमारा सिख समाज हमेशा से सभी वर्गों की सेवा करता आया है

और पंजाब आपदा में गुरु सिंह सभा लगातार सेवा कर रहा है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। गुरु सिंह सभा के जनरल सेक्रेटरी सरदार अमनजीत सिंह और खालसा ऐंड के नगर प्रभारी सरदार गुरप्रीत सिंह गोलू ने अभिषेक टिंकू

और सेवा जारी है। जयधर प्रीत सिंह ने सभी को आशीर्वाद दिया। इस दौरान वरिष्ठ समाजस. वी. नसीर खान, राव मोहम्मद, सरदार बलबीर सिंह भाटिया, सरदार तेजिंदर सिंह डंग रिकू, सरदार अभिजीत सिंह, सरदार अमनजीत सिंह, सरदार अमरजीत सिंह गिनी, सरदार मनजीत सिंह, सरदार अमनदीप सिंह, सरदार दीपक सिंह मनचंदा, सरदार अमरजीत सिंह, सरदार साहिब सिंह, सरदार गुरप्रीत सिंह, सरदार शेरू सिंह, सरदार गुरमीत सिंह, सरदार गुरजीत सिंह, सरदार रोमी सिंह, रजत शर्मा, काजी शूद, शादब खान, मासूम जैदी, शुभम शर्मा, अनुभव शर्मा, गोविंद वर्मा, शुभम वर्मा, रवि यादव, शुभम थापा आदि मौजूद रहे।

राधा कृष्ण भजनों पर झूमे श्रद्धालु



शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। महानगर युवा वैश्य सभा द्वारा आयोजित भजन-संस्था का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ जिसमें राधा-कृष्ण भजनों को पर झूले श्रद्धालुओं का झुमते रहे। अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सभा के

पंकज गुप्ता ने भी भजनों की लय पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की गरिमा में चार चांद लगा दिए। राधा-कृष्ण की आकर्षक झाँकियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक-नीरज गुप्ता, शिवा गोयल, विभोर जिंदल, विवेक गोयल, शुभम गोयल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि योगेश गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता रहे। इसके अलावा सुभाष चंद्र अग्रवाल, अनिल मित्तल, रवि सिंहल, विनय जिंदल, संजय गर्ग, मर्याद, ज्योति अग्रवाल अखिलेश मित्तल पवन गोयल आदेश गुप्ता अनिल गुप्ता, कुसुम अग्रवाल संगीता गोयल अनुभव सिंहल अजय अग्रवाल नरेश गोयल, विनोद गुप्ता (सम्राट विक्रम) सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

चिलकाना। सीओ सरदार एएसपी प्रिया यादव यादव ने जे जे इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में कॉलेज की छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को जाना व उन्हें उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। सुक्रवार को जे जे इंटर कॉलेज में पहुंची सीओ प्रिया यादव ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए सरकार द्वारा जारी किए गए महिला हेल्पलाइन नम्बरों के विषय में जानकारी दी। इस दौरान सीओ ने छात्राओं का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर कॉलेज प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र शर्मा, उप प्रधानाचार्य सत्यवीर सिंह, शिक्षक रणवीर शास्त्री, विवेक सिंह, आनंद प्रकाश, रविदीप सिंह, ब्रज कुमार, बाली कुमार, पूजा नारी, रबी अंसारी आदि स्टाफ गण मौजूद रहे।

बूँदा बंदी में भी मेला गुघाल में उमड़ रहा लोगों का सैलाब

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। नगर में ऐतिहासिक मेला गुघाल इस वर्ष भी बड़ी ही धूमधाम और भव्यता के साथ आरंभ हुआ है। पूर्व की भांति इस बार भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ प्रारंभ किया गया। चारों ओर रंग-बिरंगी रोशनियाँ, झाँडियों और सानवट से वातावरण उत्सवमय दिखाई दिया। इस बार मेले की कमान मेट निवासी ठेकेदार सनी गुप्ता और उनकी जुझारू समस्त टीम के सदस्य संधाल रहे हैं। मेला गुघाल की सभी मैनजेंट व्यवस्था बेहतर तरीके से बाखूबी अंजाम देते हुए प्रदर्शित हो रहे हैं, ताकि मेले में भ्रमण करने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े, वहीं मेले में आगमन करने वाले भ्रमण वासी भी इस गुघाल मेले का बड़ा ही आनंद उठाते हुए दिखाई दिये, लेकिन धर्म धम कर होती रिमझिम वर्षा की हल्की बूँदाबंदी ने मेले का रंग कुछ फीका सा दिखाई दिया, लेकिन फिर भी मेला का भ्रमण करने वाले नगरवासियों के उत्साह में किसी भी प्रकार की कमी दिखाई नहीं दी, मेले में मनोरंजन से लेकर खरीदारी तक हर उम्र के लोगों के लिए आकर्षक झलक देखने को मिल रही है।

झूले, मौत का कुआँ, हालाँकि मौत के कुएं को लेकर इस बार कहीं-कहीं विघ्न उत्पन्न दिखाई दिया लेकिन आशा है की जल्द ही मेला ठेकेदार सनी गुप्ता के नेतृत्व में नागरिकों के मनोरंजन हेतु इसका हल भी निकाल लिया जायेगा, मेले में जलपरी शर्चा बच्चों एवं महिलाओं के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वहीं, छोले चाट, पानी पूरी, एवं अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों की दुकानों पर भी महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ती हुई नजर आयी। शाम ढलते ही रात्रि के प्रथम पहर में मेले की रौनक में और अधिक से अधिक इजाफा हो जाता है। मेले में सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन की ओर से विशेष ईतजाम किए गए हैं, जिससे लोग बिना किसी असुविधा के आनंद उठा सकें। सहारनपुर के मेले गुघाल की भव्यता और विविधता ने इसे नगरवासियों ही नहीं, बल्कि आसपास के गाँवों और शहरों के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना दिया है। भ्रमण वासियों का कहना है कि मेला गुघाल की बेहत व्यवस्था का सारा श्रेय ठेकेदार सनी गुप्ता और उनकी समस्त टीम को जाता है जो उन्हें इतनी बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

अटल भूषण अवार्ड से नवाजे गए नकुड़ विधायक मुकेश



सहारनपुर। नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी को अटल भूषण अवार्ड से नवाजा गया।

आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में यह सम्मान दिया गया। विधायक को यह पुरस्कार उनके द्वारा उत्तरप्रदेश में अपनी विधानसभा नकुड़ में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया। उत्तरप्रदेश से इस पुरस्कार के लिए चुने जाने वाले वह एकमात्र विधायक है तथा उनके द्वारा आदर्श विधानसभा में बालिका शिक्षा, जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों में किये गये कार्यों को सराहा गया।

बाढ़ प्रभावित किसानों को राहत: खेत की रेत और मिट्टी बेचने की मिले अनुमति सपा नेता फरहाद ने मुख्यमंत्री से की मांग



शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। पंजाब सरकार द्वारा बाढ़ से प्रभावित किसानों को उनके खेतों में जमा रेत और मिट्टी बेचने की अनुमति देने के फैसले की स्वागत योग्य बनें बनें हुए सपा के वरिष्ठ नेता फरहाद आलम गाड़ा ने मांग करते हुए कहा कि पंजाब की तर्ज पर उत्तर प्रदेश सरकार भी किसानों को राहत देने के लिए इसी प्रकार की घोषणा करें



तहत बाढ़ की वजह से खेतों में जमा रेत और मिट्टी को किसान बेच सकेंगे, जिससे उन्हें अपने नुकसान को आंशिक भरपाई करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को भी पंजाब की तर्ज पर यह योजना लागू करनी चाहिए। बाढ़ से प्रभावित जिलों के किसानों का तर्क है कि खेतों में जमा रेत से न केवल खेती प्रभावित हो रही है, बल्कि किसान दोहरी मार झेल रहे हैं। यदि सरकार उन्हें रेत और मिट्टी बेचने की अनुमति देती है तो यह उनके लिए बड़ी राहत साबित होगी।

पंजाब की तर्ज पर मिले अधिकार, जिसका खेत उसका रेत

फरहाद आलम गाड़ा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करते हुए कहा कि जिसका खेत, उसकी रेत पर योजना को उत्तर प्रदेश में भी तत्काल लागू किया जाए, ताकि हजारों प्रभावित किसानों को आर्थिक सहारा मिल सके और वे खेती की दिशा में सोबा खड़े हो सकें। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदेश सरकार के लिए न केवल किसानों को राहत पहुंचाने वाला साबित हो सकता है, बल्कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगा।

युवक ने की गाली गलोच तैतरीं। राजस्व वसूली के दौरान कनेक्शन काटने से पड़के युवक ने पावर कॉर्पोरेशन की टीम के साथ गाली गलोच की तथा जान से मारने की धमकी दी। पावर कॉर्पोरेशन की टीम ने पुलिस को मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

पावर कॉर्पोरेशन की टीम में शामिल जेई अवधेश कुमार, प्रेम करसप, गौरव, सुरेंद्र आदि कस्बे में राजस्व वसूली के लिए आए थे। राजस्व वसूली के दौरान मोहल्ला महाजना में एक विद्युत उपभोक्ता पर बिल बकाया होने के कारण पावर कॉर्पोरेशन की टीम ने कनेक्शन को विच्छेद कर दिया। जिसके कारण युवक भड़क गया उसने पावर कॉर्पोरेशन की टीम के साथ अव्यवहार किया तथा गाली गलोच कर जान से मारने की धमकी दी। टीम ने गाली दे रही युवक का वीडियो भी बना लिया। पावर कॉर्पोरेशन की टीम में शामिल जेई अवधेश कुमार ने दो युवकों के खिलाफ तहरीर दी है।

आईआईए का स्थापना दिवस मनाया

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट एसोसिएशन के सदस्यों ने आज हर्षोल्लास के साथ संगठन का 40वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी उद्यमियों ने मिलकर केक काटा और खुशियाँ साझा कीं। आज आईआईए कार्यालय, ट्रेड सेंटर, प्रताप मार्केट पर एकत्र हुए और पूरे राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईए एक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठन है, जिसकी स्थापना 13 सितम्बर 1985 को हुई थी। स्थापना के बाद से संगठन ने उद्योग जगत, विशेषकर लघु, छोटे एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के उत्थान और प्रगति के लिए निरंतर कार्य किया है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा ने कहा कि आईआईए उद्योगों की आवाज को उठाने वाला संगठन है।



चैप्टर सचिव कुशल शर्मा एवं कोषाध्यक्ष सुरेंद्र मोहन कालड़ा ने कहा कि संगठन ने हमेशा एमएसएमई को सशक्त बनाने का कार्य किया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, प्रमोद सडाना एवं आर.के. धवन ने अपने विचार प्रकट किये। इस अवसर पर उपाध्यक्ष विनय दहूजा, राजकुमार अरोड़ा, अरविंद खन्ना, सुनील अरोड़ा, जिला उद्योग बंधु कन्वीनर सुनील सेनी, पिलखनी औद्योगिक क्षेत्र एवं खाद्य विभाग कन्वीनर अनुज कुमार जैन, युपीसीडा एवं आयुष विभाग कन्वीनर शिवम गोयल उपस्थित रहे।

मंजीत चौधरी को बनाया भाकियू मण्डल अध्यक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो
सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन भा.यू. द्वारा मंजीत चौधरी को मण्डल अध्यक्ष मनोनीत करने के साथ ही संगठन मजबूती के दिशा निर्देश दिये। दिल्ली रोड स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष राजू माजरा ने यह घोषणा करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया। जिला अध्यक्ष चौधरी राजू माजरा ने कहा 2026 तक हमारा लक्ष्य सहारनपुर में 20000 कार्यकर्ता बनाने का है जिससे संगठन को मजबूत बनाया जा सके। नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष मनजीत चौधरी ने भी आधार व्यक्त किया और कहा जो संगठन ने मुझ पर भरोसा जताया है मैं उसे पर खरा उतरूंगा और संगठन के लिए दिन रात मेहनत करूंगा महानगर अध्यक्ष सुभाष चौधरी ने कहा मैं हर



वर्ग के व्यक्ति के साथ हर समय खड़ा हूँ जहाँ भी भारतीय किसान यूनियन भा.यू. के कार्यकर्ता के मान सम्मान की बात आयेगी वहाँ मैं अपना खून बहा दूंगा अपने किसी भी पदाधिकारी के मान सम्मान में कमी नहीं आने दूंगा। जिला अध्यक्ष ने संगठन का विस्तार करते हुए चौधरी देवी सिंह को नकुड़ ब्लॉक अध्यक्ष बनाया प्रवेज अली को खेड़ा न्याय पंचायत का अध्यक्ष बनाया और अजय चौहान को बहादुर नगर ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी प्रवेश गुर्जर संगठन मंत्री संजय

रंधेड़ी जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि नीरज चौधरी देवदुप महानगर सचिव शिवा संगठन मंत्री रणदीप ठाकुर महानगर अध्यक्ष प्रतिनिधि आशु ठाकुर उपाध्यक्ष एहतेशाम उपाध्यक्ष सुल्तान राणा महामंत्री अनम शंटी संगठन मंत्री पंकज चावला गंगोह ब्लॉक अध्यक्ष बलवान चौधरी नकुड़ ब्लॉक अध्यक्ष देवी सिंह रामपुर तहसील अध्यक्ष रामपाल सिंह रामपुर तहसील उपाध्यक्ष डॉ. राहुल अम्बेहड़ा नगर अध्यक्ष लियाकत कुरेशी रामपुर नगर अध्यक्ष अजय कुमार अम्बेहड़ा नगर महासचिव चव शरफान कुरेशी खेड़ा न्याय पंचायत अध्यक्ष प्रवेज अली ग्राम अध्यक्ष बहादुरपुर अजय चौहान राशिद मलिक कपूरी आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार , 20 सितम्बर 2025

सच्चाई आए सामने

शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को फिर से घेरा है। एक्स वीडियो पर उन्होंने क्लिप शेयर की, केपशन में लिखा कि चार बजे उठो, छत्तीस सेकेंड में दो वोटर मिटाओ फिर सो जाओ, ऐसे भी हुई वोट चोरी। गुरुवार को भी अपनी एक प्रेस कान्फ्रेंस में वह चुनाव आयोग पर आरोप लगा चुके हैं तब उन्होंने कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त वोट चोरी और वोट डिलीट करा रहे हैं और अपनी बात को मजबूती प्रदान करने लिए उन्होंने कनार्टक के आलंद विधानसभा क्षेत्र के उन वोटरों को भी पेश किया, जिनके नाम हटाने की कोशिश की गई। जहां तक बात चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया की है, वह केवल यह कहकर पल्ला झाड़ता दिखाई दे रहा है कि राहुल गांधी के आरोपों में कोई दम नहीं है। सरकार भी राहुल गांधी को इस पूरे मामले पर धरती दिखाई दे रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया में कह भी डाला कि राहुल गांधी हताशा में हैं। वह कभी रैरेड मोदी की नकल करेंगे, कभी जेन-जी की बात करेंगे। असल में शुक्रवार को राहुल गांधी ने कहा था कि देश के युवा, देश के छात्र, देश के जेन जी संविधान को बचाएंगे। लो. कर्तंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे और मैं उनके साथ खड़ा हूं। भाजपा के नेता उनके इस बयान को उनके माओवादी होाने के सबूत में पेश कर रहे हैं। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फणडवीस ने कहा भी कि यह वोट चोरी का मामला नहीं है राहुल का दिमाग चोरी हो गया है और जब किसी का दिमाग चोरी हो जाता है तो वह इसी तरह करता है। उन्होंने कहा कि राहुल की देश के संविधान के प्रति आस्था नहीं है। वह सारी व्यवस्था को नकार रहे हैं और अब तो उन्हें शहरी माओवादी होने का सबूत भी दे दिया है। जाहिर है राजनीति में इस तरह की प्रतिक्रिया तो चलती रहती है, राहुल गांधी कितना सच कह रहे हैं कितना झूठ कह रहे हैं, यह अलग बहस का विषय हो सकता है और इसका पता भी जब चल सकता है, जब इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो। यह देखना किसी विडंबना से कम नहीं है कि जांच की आवाज किधर से भी नहीं आ रही है। न तो चुनाव आयोग ही जनता को यह आशवासन दे पा रहा है कि वह इस पूरे मामले को जांच करा पाएगा, वैसे होना यही चाहिए था कि अगर कहीं से गड़बड़ी की खबर आ रही है तो चुनाव आयोग को कहना चाहिए था कि वह इस सच का पता लगाएगा। ठीक उसी तरह सरकार को भी इस तरह के आरोपों पर चिंता जाहिर करनी चाहिए थी। लेकिन वो इसके उलट रहा है। चुनाव आयोग तमाम आरोपों को सिरे से ही नकार रहा है और केंद्र सरकार इस तरह की गड़बड़ी पर चिंता जाहिर करने के बजाए चुनाव आयोग का पूरी तरह बचाव करती दिखाई दे रही है बल्कि उससे भी आगे जाकर, इतना बचाव तो खुद चुनाव आयोग अपना नहीं कर पा रहा है। जाहिर है इस तरह के व्यवहार से जनता में एक गलत संदेश ही जाएगा और चुनाव आयोग की साख ही प्रभावित होगी। यह उस देश के लिए जरा भी ठीक नहीं है, जो दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला लो. कतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में मर्यादा व मूल्यों की बहुत गरिमा होती है। इसकी रक्षा होनी ही चाहिए।

वीरता हथियार के आकार की बात नहीं

पाकिस्तान को लगता था कि अचानक किए गए आतंकी हमलों से हम डर जाएंगे, वो ये नहीं जानते कि भारत का हर सैनिक देश की एकता और अखंडता से समझौता नहीं कर सकता, पीएम मोदी ने ठान लिया था कि पाकिस्तान को सबक सिखाना है, हमने उन्हें ऐसा सबक सिखाने की ठानी, जिसकी वे करपना भी नहीं कर सकते, मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद की बहादुरी ने आसल उत्तर की लड़ाई में अकेले ही पाकिस्तान को कई टैंकों को बर्बाद कर दिया था, हमारे बहादुर वीर अब्दुल हमीद ने हमें सिखाया कि वीरता हथियार के आकार की बात नहीं है, बल्कि दिल बड़ा होना चाहिए, जब पहलगाम हमला हुआ था, तो प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को सबक सिखाने का फैसला किया था।



–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

1857 का संग्राम भारतीय स्वतंत्रता की पहली प्रचंड ज्वाला था। यह केवल सैनिकों का विद्रोह नहीं था, बल्कि जनता के हृदय में लंबे समय से धधक रही उस चिंगारी का विस्फोट था, जिसने अंग्रेजी हुकूमत को पहली बार गहराई से हिला दिया। इस संग्राम में जहां मेरठ और दिल्ली से लेकर कानपुर, झांसी, बरेली, लखनऊ, अवध और पूरे उत्तर भारत के अनेक सेनानी अमर हुए, वहीं बिहार की धरती पर एक ऐसा नायक खड़ा हुआ, जिसकी शहादत आजादी के इतिहास का अमिट स्तंभ है। यह नायक थे पीर अली खान।

पीर अली खान का नाम हमारे इतिहास में उस वीरता और अदम्य साहस का प्रतीक है, जिसने अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता की नींव मजबूत की, लेकिन दुखद यह है कि आजादी की उस लंबी लड़ाई के कई सच्चे नायकों की तरह पीर अली खान का भी इतिहास के पन्नों में वह स्थान नहीं मिला, जिसके वह अधिकारी थे। आज जब हम स्वतंत्र भारत की सांस लेते हैं और अपनी मातृभूमि की आजादी पर गर्व करते हैं, तब पीर अली खान जैसे बलिदानियों को याद करना न केवल आवश्यक है, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य भी है।

पीर अली खान का जन्म सन 1812 के आसपास माना जाता है। वह मूल रूप से एक साधारण परिवार से थे। जीविका के लिए उन्होंने पटना में किताबों की जिल्दबंदी और किताबों की दुकान का काम शुरू किया। उस समय किताबें केवल ज्ञान का साधन ही नहीं थीं, बल्कि विचारों और संदेशों का माध्यम भी थीं। पीर अली खान की दुकान पटना में किताबों के प्रेमियों के लिए एक सामान्य स्थल थी, लेकिन धीरे-धीरे यह दुकान अंग्रेजों के विरुद्ध गुप्त योजनाओं का केंद्र बनने लगी। किताबों की जिल्दों और पन्नों के बीच से वे स्वतंत्रता संग्राम के पर्व, संदेश और गुप्त पत्र सिपाहियों और क्रांतिकारियों तक पहुंचाने लगे। उनके संपर्क डेनापुर छावनी के उन भारतीय सिपा. हियों से भी थे, जिनके मन में अंग्रेजों के प्रति असंतोष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा था। जब मई 1857 में मेरठ से विद्रोह की चिंगारी फूटी और दिल्ली में बहादुरशाह जफर को सम्राट घोषित कर स्वतंत्रता का बिगुल बजा, तो इसकी गुंज पटना तक पहुंची। बिहार की धरती पहले से ही शोषण, अत्याय और अत्याचार से त्रस्त थी। किसानों, अंग्रेज स्थानीय जनता से कठोर कर वसूली, अंग्रेज अधिकारियों की तानाशाही और उनके नस्लीय अहंकार ने जनता के मन में गहरा असंतोष पैदा कर दिया था। ऐसे माहौल में पीर अली खान जैसे साहसी और निडर व्यक्ति के लिए यह दुकान मात्र व्यवसाय नहीं रही, बल्कि स्वतंत्रता का गुप्त

पीर अली खान: आजादी के इतिहास का अमर स्तम्भ



अड्डा बन गई। अंग्रेज प्रशासन की निगाहें बहुत जल्द उनकी गतिविधियों पर पड़ गईं। उन्हें शक था कि पीर अली खान केवल किताबें बेचने और जिल्दबंदी करने वाले नहीं हैं, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों को संदेश पहुंचाने वाले भी हैं।4 जुलाई 1857 को अंग्रेजों ने पीर अली खान को उनके 33 साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कठोर यातनाएं दी गईं। उनसे बार-बार पूछा गया कि उनके साथ और कौन लोग जुड़े हुए हैं, किन सैनिकों से उनका संपर्क है, वे क्रांतिकारी पर्व कहाँ से लाते हैं। लेकिन पीर अली खान ने किसी का नाम नहीं बताया। उन्होंने अपने साथियों के साथ विश्वासघात करने के बजाय अपने प्राण न्योछावर करना स्वीकार किया।

अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें डराने के लिए तरह-तरह के प्रयास किए। उन्हें यह लालच भी दिया गया कि यदि वे अपने साथियों के नाम बता दें तो उन्हें क्षमा कर दिया जाएगा। लेकिन पीर अली खान अडिग रहे। उन्होंने कहा कि वे मरना पसंद करेंगे, पर अपने साथियों का भेद नहीं बताएंगे। यही उनका चरित्र था, यही उनकी सच्ची राष्ट्रभक्ति थी।

7 जुलाई 1857 को उन्हें फांसी की सजा दी गई। पटना के अंग्रेज कलेक्टर के आवास के सामने, सार्वजनिक रूप से, उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया गया। अंग्रेज चाहते थे कि जनता यह श्य देखकर भयभीत हो, लेकिन परिणाम उल्टा हुआ। लोगों के मन में पीर अली खान के लिए श्रद्धा और अंग्रेजों के लिए घृणा और अधिक गहरी हो गई। उनकी निर्भीकता का यह आलम था कि अंतिम क्षणों में उन्होंने निर्भय स्वर में कहाकुतुम मुझे फांसी दे सकते हो, लेकिन मेरे विचारों और मेरे

साथियों की चेतना को नहीं मार सकते। यह वाक्य आज भी स्वतंत्रता की उस अमर भावना का प्रतीक है, जो किसी भी शक्ति से दबाई नहीं जा सकती। पीर अली खान की शहादत के बाद अंग्रेजों ने उनकी किताबों की दुकान और पुस्तकालय को तहस-नहस कर दिया। उनके सहयोगियों को भी कड़ी सजाएं दी गईं। लेकिन यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनकी फांसी ने पूरे पटना और बिहार में क्रांति की लहर को और तेज कर दिया। उनका बलिदान यह सिद्ध कर गया कि स्वतंत्रता केवल सिपाहियों की बंदूक का सपना नहीं था, बल्कि आम जनता के दिल की पुकार थी।

आज जब हम 1857 के संग्राम की चर्चा करते हैं, तो बहादुरशाह जफर, रानी लक्ष्मीबाई, ताल्पा टोपे, बेगम हजरत महल जैसे महान नाम सामने आते हैं। लेकिन यह दुर्भाग्य है कि पीर अली खान जैसे वीर, जिन्होंने अपने लहू से स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया, उतनी प्रसिद्धि नहीं पा सके। जबकि उनका योगदान किसी भी तरह कमतर नहीं था। वे इतिहास के उस छिपे हुए पन्ने हैं, जिसे बार-बार पलटकर देखना चाहिए। यह भी विचारणीय है कि आज जब कभी मुस्लिम समाज की राष्ट्रभक्ति पर संदेह जताने की कोशिश की जाती है, तब हमें पीर अली खान की शहादत याद करनी चाहिए। उन्होंने पटना की आजादी का नाम तक न बताया। उन्होंने राष्ट्रहित में अपने प्राणों का बलिदान दिया। वे इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण हैं कि भारत की आजादी की लड़ाई में हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग ने अपना योगदान दिया। पीर अली खान की शहादत इतिहास का वह आभूषण है, जिसे भुलाना हमारी आजादी की आत्मा को भुलाना होगा। आज पटना में जिस जगह उन्हें फांसी दी गई थी, वहां पीर अली पार्क उनकी स्मृति में मौजूद है। यह केवल एक स्मारक नहीं है, बल्कि यह गवाही है उस बलिदान की, जिसने स्वतंत्रता की नींव में अपनी जगह हमेशा के लिए बना ली। हर पीढ़ी को वहां जाकर यह समझना चाहिए कि आजादी का यह उपहार हमें सहज नहीं



मिला, इसके पीछे पीर अली खान जैसे अनगिनत बलिदानियों की आहुति है।

पीर अली खान की गाथा हमें यह सिखाती है कि स्वतंत्रता का इतिहास केवल बड़े राजाओं और प्रसिद्ध सेनानियों का इतिहास नहीं है, बल्कि उन गुमनाम और अल्पज्ञात नायकों का भी इतिहास है, जिन्होंने अपने प्राण देकर आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्र भारत का स्वप्न सौंपा। यदि हम ऐसे नायकों को भूल गए, तो हम अपनी आजादी की जड़ों को भूल जाएंगे। इसलिए आज जब कोई भी किसी मुस्लिम को राष्ट्रभक्ति पर संदेह करने की को. शिश करे, तो हमें दस बार पीर अली खान का नाम स्मरण करना चाहिए। यह नाम हमें याद दिलाएगा कि भारत की आजादी की नींव में उनका लहू भी उतना ही शामिल है जितना किसी और का। यह नाम हमें यह भी याद दिलाएगा कि राष्ट्रभक्ति का कोई धर्म नहीं होता, यह केवल त्याग, बलिदान और निष्ठा से उपजती है। पीर अली खान का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास का अमर स्तंभ है। उनकी स्मृति हमारे राष्ट्रीय जीवन में सदैव प्रेरणा देती रहेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी गाथा केवल पटना के पार्क तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे देश की चेतना में अंकित हो। जब तक भारतवर्ष रहेगा, तब तक पीर अली खान की शहादत का गौरव भी जीवित रहेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रिश्तों में बढ़ती दूरियां
बातचीत, जिम्मेदारी की कमी और पुराने दर्द को साथी पर थोपने का परिणाम हैं।
रिलेशनशिप कोच के अनुसार, परफेक्ट साथी की तलाश और सोशल मीडिया पर दूसरों को गलत साबित करने की बजाय, हमें अपने अंदरूनी घावों को भरने, आत्म-सम्मान बढ़ाने और वचन निभाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि रिश्तों में सुधार हो।

रिश्ते में आ गई हैं दूरियां, कहां बिगड़ रही बात

आज के तेज-रफ्तार दौर में, ज्यादातर लोगों के लिए यह समझना मुश्किल हो रहा है कि उनके रिश्ते क्यों और कहा बिगड़ रहे हैं। रिश्ते में आई दरार के लिए लोग आमतौर पर छोटी-छोटी बातों, बिजी दिनचर्या और हालातों को दोष देते नजर आते हैं, लेकिन समस्या इससे कहीं ज्यादा गहराई में छिपी है। हर दिन जब हम अपने पार्टनर को समय नहीं दे पाते, जाने-अनजाने में उनकी बेइज्जती कर देते हैं और उनके रूठ जाने पर उनसे बात करने की बजाय उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। इन सबका नतीजा यह होता है कि हमारा रिश्ता बिखरने लगता है। ऐसे में जरूरत है कि हम हालातों और एक दूसरे को दोष देने की बजाय रिश्ते को ठीक करने के लिए सही कदम उठाएं। रिलेशनशिप कोच और थैरेपिस्ट ने एक पोस्ट में बताया कि आजकल रिश्तों को असल में क्या बिगाड़ रहा है और हमें इसके बजाय क्या करना चाहिए। उन्होंने आसान शब्दों में यह बातें समझाईं।

बातचीत, जिम्मेदारी व समझ की कमी, क्या करें?
सोचिए कि कहीं आप अपने पुराने दर्द को अपने साथी पर तो नहीं डाल रहे। कई बार हम वही साथी चुनते हैं जो हमें वैसे ही तकलीफ देता है जैसे बचपन में माता-पिता ने दिया था।

बिल्कुल परफेक्ट साथी की तलाश, क्या करें?
अपने अंदर के घायल हिस्सों को संभालिए। खुद को इतना पूरा महसूस करें कि किसी साथी के बिना भी आप खुश रह सकें।



दूसरों को गलत साबित करने वाले पोस्ट, क्या करें?
अपनी नजर दूसरों पर नहीं, अपने अंदर की हीलिंग पर रखें। समझिए कि कैसे आपकी कुछ आदतें ऐसे लोगों को खींचती हैं जिन्हें आप असल में नहीं चाहते। अपने अंदर छुपे गहरे दर्द और भावनाओं को समझने के लिए आंतरिक काम करें। चार मजबूत आदतों पर ध्यान दें, ताकि बिना सालों तलाश किए आप अपनी रुकावटें दूर कर सकें।

सिर्फ बातें, बिना काम और बिना लगातार कोशिश
जो कहते हैं, उसे निभाने की आदत डालें। अपना वचन निभाने से ही आत्म-सम्मान बढ़ता है।

दिमागी खेल और कंट्रोल की चाह, क्या करें?
खुद का ऐसा जीवन बनाएं जिसमें आपकी जरूरतें पूरी हों। जिन गुणों की आप दूसरों से उम्मीद रखते हैं, उन्हें पहले खुद में लाएं। सोचिए, मैं किसी और की जिंदगी को कैसे बेहतर बना सकता हूँ?

गर्माती दुनिया में टंडक देते वस्त्र

वैश्विक तपन अब कोई दूर का खतरा नहीं रह गया है। यह हमारी जिंदगी, काम और जीने के तरीकों को बदल रहा है। जैसे-जैसे गर्मियां और अधिक गर्म और प्रचंड हो रही हैं, गर्मी में सिर्फ सूती कपड़े पहनना टंडक के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे में टंडक देने के नए उपाय खोजने की मांग बढ़ रही है – ऐसे उपाय जो बिना अधिक बिजली खर्च किए गर्मी से बचा सकें। इसके लिए सबसे पहले यह समझना होगा कि हमें टंडक कैसे मिलती है। शरीर को टंडक मुख्यतः चार प्रमुख तरीके से मिलती है–

विकिरण– जब गर्मी अदृश्य ऊर्जा के रूप में बाहर निकलती है।

संचरण– जब गर्मी छूने से स्थानांतरित होती है, जैसे गरम तवे को छूना।

संवहन– जब बहती हवा गर्मी को साथ ले जाती है, जैसे ठंडी हवा का झोंका।

वाष्पीकरण– जब पसीना वाष्पित होकर शरीर से गर्मी बाहर ले जाता है। आधुनिक विज्ञान अब ऐसे कपड़े और पहनने योग्य उपकरण बना रहा है, जो इन चारों तरीकों को और ज्यादा असरदार बना सकें।

टंडक देने वाले स्मार्ट कपड़े

वैज्ञानिक ऐसे खास कपड़े बना रहे हैं, जो सूरज की हानिकारक गर्मी को रोकें और शरीर की प्राकृतिक इन्फ्रारेड ऊर्जा को बाहर निकलने दें। इसके कुछ उदाहरण हैं–

नैनोपोरस पॉलीएथिलीन कपड़ा– यह सूती कपड़े से लगभग 2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा ठंडा रखता

है, क्योंकि यह शरीर की गर्मी को बाहर जाने देता है और सूरज की रोशनी को रोकता है।

मेटाफैब्रिक– यह कपड़ा अलग-अलग तरंगदैर्घ्य के प्रकाश को परावर्तित करता है और शरीर की गर्मी को वायुमंडलीय झरोखे यानी वे किरणों जो अंतरिक्ष में बिखर जाती हैं के जरिए बाहर निकलने देता है। लेकिन ये कपड़े कभी-कभी शहर की इमारतों और सड़कों से निकलने वाली गर्मी को सोख लेते हैं। इसके अलावा नमी और वायु प्रदूषण भी इनके काम में बाधा डालते हैं। इसलिए वैज्ञानिक अब विकिरण प्रक्रिया को संवहन और वाष्पीकरण के साथ मिलाकर ऐसे कपड़े बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तविक परिस्थितियों में भी काम करें।

संचरण और संवहन– संचरण एक कारण है जिससे कुछ कपड़े छूते ही ठंडे लगते हैं। यदि इनमें बोरोन नाइट्राइड जैसे उच्च ऊष्मा चालक कण मिलाए जाएं, तो ए कपड़े त्वचा की गर्मी को जल्दी बाहर खींच लेते हैं। दूसरी ओर, एयरोजेल फाइबर (जो ध्रुवीय भालू के फर से प्रेरित हैं) इंसुलेटर का काम करते हैं और अत्यधिक गर्म माहौल में बाहर की गर्मी को रोकते हैं। संवहन प्रकृति का अपना एयर कंडीशनर है। ठीले, हवादार कपड़े गर्म हवा को बाहर निकालते हैं और ठंडी हवा को अंदर लाते हैं। कुछ स्मार्ट कपड़े तो ऐसे भी हैं जिनमें नमी-संवेदनशील रेशे होते हैं, जो पसीना बहने पर छोटे-छोटे छिद्र खोल देते हैं और पसीने को तेजी से सुखा देते हैं।

वाष्पीकरण की भूमिका– साधारण कपड़ों की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि वे पसीना सोख लेते हैं

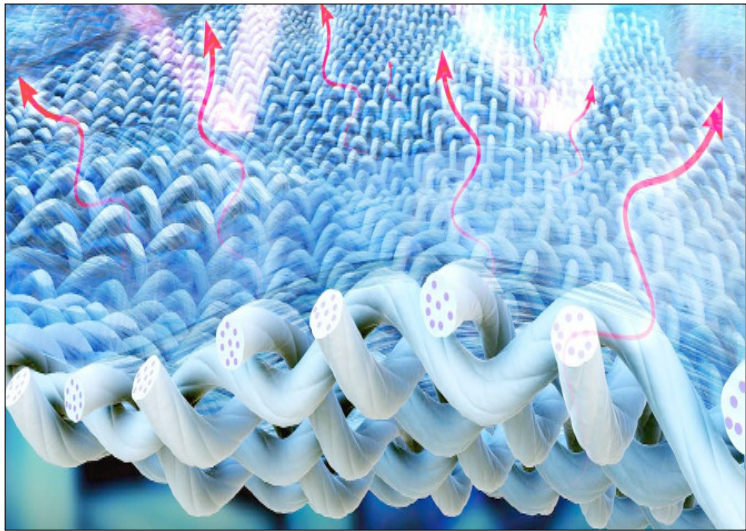
और गीले हो जाते हैं, जिससे ए भारी व असुविधाजनक लगते हैं। अब वैज्ञानिक ऐसे कपड़े बना रहे हैं जो हमारी त्वचा की तरह काम करें – यानी पसीने की बूंदों को बाहर निकाल दें। इससे शरीर सूखा बना रहता है। कुछ कपड़े तो छोटे-छोटे विद्युत आवेश का इस्तेमाल करके पसीने को सक्रिय रूप से बाहर पंप कर देते हैं। इससे न सिर्फ पहनने में आराम मिलता है बल्कि कपड़े की कूलिंग क्षमता भी बढ़ जाती है क्योंकि धीमे कपड़े ज्यादा गर्मी सोखते हैं।

पहनने योग्य शीतलक– हमेशा सिर्फ कपड़े ही अत्यधिक गर्मी से नहीं बचा सकते। यहां काम आते हैं पहनने योग्य शीतलक। पंखे से लैस जैकेट और लिक्विड-कूलिंग वेस्ट पहले से मौजूद हैं, लेकिन ए भारी, ज्यादा बैटरी खाने वाले और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए असुविधाजनक हैं।

एक नया विकल्प है किरिगामी-आधारित उपकरण। यह आकार और सलह बदलकर गर्मी को नियंत्रित करता है और लैब टेस्ट में शरीर की आरामदायक सीमा को लगभग 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा देता है। एक और समाधान है सौर ऊर्जा से चलने वाले कपड़े, जो ऑर्गेनिक सोलर पैनल और इलेक्ट्रोकेलोरिक डिवाइस की मदद से जरूरत के हिसाब से शरीर को ठंडा या गर्म रखते हैं। लेकिन अभी इन्में कई चुनौतियां हैं – जैसे बैटरी का जीवन, लचीला. पन और तार की फिटिंग।

कृत्रिम बुद्धि और शीतलन

एक हालिया प्रयास स्मार्ट और निजी कूलिंग सिस्टम्स है। इसमें ऐसे पहनने योग्य सेंसर होंगे जो शरीर



का तापमान, पसीना, हार्ट रेट और तनाव के स्तर को मापेंगे। इसके आधार पर एआई खुद ही पहचान लेगा कि शरीर ज्यादा गर्म हो रहा है और तुरंत कूलिंग सिस्टम चालू कर देगा। जल्द ही स्मार्ट कपड़ों में ऐसी तकनीकें भी आ सकती हैं जो खुद शरीर से ऊर्जा पैदा करें। जैसेरू थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर, जो शरीर की गर्मी से ऊर्जा बनाएंगे। पिजोइलेक्ट्रिक सिस्टम, जो शरीर की हलचल से बिजली पैदा करेंगे। माइस्वर-इलेक्ट्रिक डिवाइस, जो पसीने से बिजली पैदा करेंगे, लेकिन सिर्फ तकनीक काफी नहीं है। कूलिंग कपड़े तभी सफल होंगे

जब वे रोजाना पहनने योग्य हों मजबूत और धोने योग्य हों पर्यावरण के अनुकूल हों ताकि प्रदूषण न फैले। पर्सनल कूलिंग सिर्फ आराम का सवाल नहीं है। धूप में काम करने वाले मजदूरों, किसानों, डिलीवरी कर्मचारियों और फायरफाइटर्स जैसे लोगों के लिए यह जीवन और मौत का फर्क साबित हो सकता है। वहीं एथलीट्स और साहसी यात्रियों के लिए भी ऐसे कपड़े मददगार होंगे, जो आपको गर्मी से बचाएं और ज्यादा ऊर्जा भी न खाएं।

–स्रोत फीचर्स

फ्रांस में बजट कटौती के खिलाफ पांच लाख लोग जुटे

स्कूली बच्चों ने हाईवे ब्लॉक किए, पत्थरबाजी हुई, 80 हजार पुलिसकर्मी तैनात, 141 गिरफ्तार

पेरिस। फ्रांस में बजट कटौती को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रेड यूनियनों ने गुरुवार को हड़ताल को अपील की थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए। पेरिस, लियोन, नान्तेस, मार्सिले, बोर्दो, टूलूज और कैएन जैसे शहरों में सड़कों जाम हो गईं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में 5 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे, जबकि यूनियनों ने संख्या 10 लाख बताई है। सुरक्षा के मद्देनजर देश भर में 80,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और 141 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं। कुछ जगहों पर पत्थरबाजी और आंसू गैस का इस्तेमाल हुआ, लेकिन ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे। कई जगह स्कूली बच्चों ने भी हाईवे ब्लॉक किए। फ्रांस की सरकार ने 2026 के बजट में करीब 52 अरब डालर की कटौती का प्लान बनाया है। इसमें पेंशन फ्रॉज करना, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च कम करना, बेरोजगारी भत्ता घटना और दो राष्ट्रीय छुट्टियां हटाना शामिल है। सरकार का कहना है कि देश का घाटा यूरोपीय यूनियन के 3 प्रतिशत मानक से दोगुना है, और



कर्मज जीडीपी का 114 प्रतिशत हो गया है। लेकिन लोग इसे अमीरों के लिए राहत और गरीबों पर बोझ मानते हैं। यूनियनों का कहना है कि अमीरों पर टैक्स बढ़ाओ। महंगाई से पहले ही ज़िंदगी मुश्किल हो गई।

प्रदर्शन की प्रमुख 4 वजह

राष्ट्रपति मैक्रों की नीतियां

जनता के एक बड़े वर्ग को लगता है कि मैक्रों की नीतियां आम लोगों के हितों के खिलाफ हैं और अमीर वर्ग को फायदा पहुंचाती हैं।

बजट में कटौती

सरकार ने खर्चों में कटौती और कल्याणकारी योजनाओं में कमी कर आर्थिक सुधार लागू

किए हैं। इससे आम जनता खासकर मध्यमवर्ग और श्रमिक वर्ग पर दबाव बढ़ा।

2 साल में 5 पीएम

हाल ही में सेबास्टियन लेकोर्न को प्रधानमंत्री बनाया गया है। यह दो साल से भी कम समय में पांचवें प्रधानमंत्री हैं। इससे लोगों में अस्थिरता और असंतोष बढ़ गया है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि उनकी नियुक्ति का शुरुआत से ही सरकार पर दबाव बनाया जाए।

ब्लॉक एवरीथिंग आंदोलन

वामपंथी गठबंधन और जमीनी संगठनों ने इस नारे के साथ आंदोलन शुरू किया है ताकि देश में सबकुछ ठप करके सरकार को झुकने पर मजबूर

किया जा सके। इन विरोध प्रदर्शनों को वामपंथी राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिल रहा है। वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबाउंड ने अगस्त में ही इस आंदोलन का समर्थन किया था। अब इससे अन्य वामपंथी दल भी जुड़ गए। सोशलिस्ट पार्टी ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है। वहीं, न्यू पापुलर फ्रंट (एनपीएफ) और नेशनल रैली (आरएन) जैसे दल, जिन्होंने संसद में बजट के खिलाफ वोट देकर पिछली सरकार गिराई थी। वे दल भी यूनियनों के साथ सड़कों पर हैं, और अमीरों पर ज्यादा टैक्स की मांग कर रहे हैं।

देश के सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने इस आंदोलन को समर्थन दिया है। ये आंदोलन नई सरकार के लिए बड़ा खतरा है। प्रधानमंत्री सेबैस्टियन लेकोर्न को अब बजट पास करने में मुश्किल होगी। संसद बंटी हुई है और किसी के पास बहुमत नहीं है। प्रदर्शन से ट्रेन, बस, मेट्रो रुक गई है, स्कूल बंद करने पड़े हैं और बिजली उत्पादन 1.1 गीगावाट कम हुआ है। इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और सरकार पर बजट बदलने का दबाव बढ़ेगा।

रूसी परमाणु पनडुब्बियों ने किया मिसाइल परीक्षण

व्लादीवोस्तोक। रूस के प्रशांत फ्लीट की दो परमाणु पनडुब्बियों ने ओखोटस्क सागर में नौसैनिक अभ्यास के दौरान सफलतापूर्वक क्रूज मिसाइल दागी। प्रशांत फ्लीट ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। फ्लीट ने अपने बयान में कहा कि बहुउद्देशीय सबमरीन क्रान्स्नोयार्स्क और ओम्स्क ने अपने 250 किलोमीटर दूर समुद्री लक्ष्य पर ओनिक्स तथा प्रिन्ट नाम की क्रूज मिसाइलें दागीं। तकनीकी निगरानी आधारित डाटा के मुताबिक मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। परीक्षण के दौरान लक्ष्य क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए प्रशांत सागर बड़े के जहाजों और नौसेना विमानन इकाइयों को तैनात किया गया था।



उत्तराखंड। चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र के एक गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ के बाद बचाव अभियान के दौरान एसडीआरएफ के जवान।

गाजा में मानवीय पहुंच प्रस्ताव पर अमेरिका ने लगाया वीटो

संयुक्त राष्ट्र। मेरिका ने

सुरक्षा परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत इस मसौदे को 15 सदस्यीय परिषद में से 14 मतों से समर्थन मिला

गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनजीसी) के उस मसौदा प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया, जिसमें इजरायल से गाजा में मानवीय पहुंच और आपूर्ति पर सभी प्रतिबंधों को तुरंत हटाने की मांग की गई थी।

मसौदे में गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थाई युद्धविराम के साथ-साथ हमास एवं अन्य सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की बिना शर्त, सम्मानजनक और तत्काल रिहाई की भी मांग की गई थी। सुरक्षा परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत इस मसौदे को 15 सदस्यीय परिषद में से 14 मतों से समर्थन मिला। परिषद के स्थाई

सदस्य अमेरिका के पास वीटो शक्ति है। अमेरिकी वीटो की सुरक्षा परिषद में व्यापक आला 'चना हुई। अल्जीरिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत अमर बेंडजामा ने कहा कि मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने वाले 14 परिषद सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय जनमत के आह्वान को दोहराते हुए विवेक से काम लिया है। उन्होंने कहा कि यह परिषद फिर से विफल रही

कि मानवता की अंतरात्मा पर एक और धब्बा। उन्होंने कहा कि खुली आंखों के सामने हो रहे नरसंहार के सामने यह शर्मनाक है। बेंडजामा ने कहा इस समय, कोई अस्पष्टता नहीं हो सकती। हममें से प्रत्येक को या तो नरसंहार को रोकने के लिए कार्रवाई करनी होगी, या फिर इसमें शामिल लोगों में गिना जाना होगा। सोमालिया के संयुक्त राष्ट्र के राजदूत अबुकर दाहिर उस्मान ने कल के मतदान परिणाम को 'एक गंभीर नैतिक विफलता' बताया। उन्होंने कहा कि यह मसौदा संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भाषा और भावना पर आधारित है, जिसका पालन करने की सभी सदस्य देशों ने शपथ ली है।

ईरानी चाबहार पोर्ट से जुड़ी कंपनियों पर जुर्माना लगाएगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को दी गई खास छूट गुरुवार को रद्द कर दी। यह भारत के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि यह बंदरगाह भारत का बहुत जरूरी प्रोजेक्ट है। 29 सितम्बर 2025 से इस बंदरगाह को चलाने, चेंसे देने या उससे जुड़े किसी काम में शामिल कंपनियों पर अमेरिका जुर्माना लगा सकता है। इसकी जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दी है। अमेरिका ने कहा: हम ईरान की गलत हरकतों को रोकना चाहते हैं। जब तक ईरान हमले आतंकवाद और अशांति फैलाने में पैसा लगाएगा, हम उसे रोकने के लिए हर कदम उठाएंगे। यह फैंसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'मैक्सिमम प्रेशर' पालिसी का हिस्सा है, जो फरवरी 2025 में शुरू हुई थी। चाबहार को 2018 में अफगानिस्तान की मदद और

कंपनियों को 10 दिन में पोर्ट को मिली छूट खत्म होगी, ये भारत के पास 10 साल लीज पर

विकास के लिए छूट मिली थी। अब इसे खत्म कर दिया गया है। भारत इस बंदरगाह को अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल करता है, ताकि पाकिस्तान से न गुजरना पड़े। भारत ने 2024 में चाबहार को 10 साल के लिए लीज पर लिया है। इसके तहत भारत यहाँ 120 मिलियन डॉलर निवेश करेगा और 250 मिलियन डॉलर का क्रेडिट लाइन (सस्ता कर्ज) देगा। अमेरिका का कहना है कि अब हालात बदल गए हैं। पहले अफगानिस्तान में चुनी हुई सरकार थी और चाबहार खाने-पीने की चीजें और सामान भेजने का रास्ता था।

वैश्विक डाक संघ की प्रशासन परिषद के लिए फिर चुना गया भारत

नई दिल्ली। भारत को दुबई में आयोजित वैश्विक डाक संघ (यूपीयू) के 28वें अधिवेशन में यूपीयू की प्रशासन परिषद (सीए) और डाक संचालन परिषद (पीओसी) के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विदेश मंत्रालय ने इस सफलता की सराहना करते हुए सदस्य देशों का आभार जताया है। दूरसंचार मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के संघटन यूपीयू के निकायों के लिए भारत का पुनः निर्वाचित किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लश्कर कमांडर कासिम कहता नजर आ रहा है कि मैं मुरिदक में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूँ, जो हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यह मस्जिद पहले से भी बड़ी बनाई जाएगी। वायरल हो रहे वीडियो में कासिम एक निर्माणाधीन जगह के

जैश के बाद लश्कर के आतंकी ने बयां की ऑपरेशन सिंदूर से तबाही की कहानी

पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई में हुए नुकसान को नकारता रहा है

इस्लामाबाद। जैश के बाद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर कासिम ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। लश्कर कमांडर कासिम ने माना कि सात मई सुबह किए गए हमले में मुरिदके स्थित लश्कर मरकज को तबाह कर दिया गया था।

उसने यह भी कहा कि इस आतंकी शिखर का पुनर्निर्माण हो रहा है। हालांकि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई में हुए नुकसान को नकारता रहा है। कासिम ने कैमरे के सामने खड़े होकर इस सच को कबूल किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लश्कर कमांडर कासिम कहता नजर आ रहा है कि मैं मुरिदक में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूँ, जो भारतीय हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यह मस्जिद पहले से भी बड़ी बनाई जाएगी। वायरल हो रहे वीडियो में कासिम एक निर्माणाधीन जगह के



पास खड़ा दिखाई दे रहा है। जिसमें वह कह रहा है, मैं मुरिदक में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूँ, जो हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। कासिम आगे यह भी कबूल करता है कि इस मस्जिद में कई मुजाहिदीन और तलबाने प्रशिक्षण हासिल किया और विजय हासिल की। मुरिदक, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखपुरा जिले में स्थित एक शहर है। वीडियो

में कासिम एक अधूरे निर्माण स्थल के सामने खड़ा दिख रहा है और कहता दिख रहा है, मैं मुरिदक में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूँ, जिसे (भारत के) हमले में नष्ट कर दिया गया था। अब इसका फिर से निर्माण हो रहा है। अल्लाह की रहमत से यह मस्जिद पहले से बड़ी बनेगी। कासिम ने यह भी कबूल किया कि इस नष्ट की गई मरकज तैयबा मस्जिद में कई आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था, जिनमें मुजाहिद और तलबा (छात्र) शामिल थे और वे यहां से फतह (जीत) के लिए निकले। पाकिस्तान की सरकार ने दावा किया था कि जिस इमारत को नष्ट किया गया, वह अब आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होती थी। एक और वीडियो में लश्कर के इस आतंकी ने पाकिस्तान के युवाओं से अपील की कि वे मुरिदक में मरकज तैयबा में होने वाले 'दौरा-ए-सुफ्फा' नाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हों।



रूस के कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप

सुनामी का अलर्ट जारी, बीते 3 महीनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 4 भूकंप आए

मॉस्को। रूस के कामचटका के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद 5 आफ्टरशाक महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। तट पर 30 से 62 सेंटीमीटर ऊंची लहरें देखी गईं।

कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सभी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। सोशल

मीडिया पर पोस्ट किए गए भूकंप के वीडियो में घरों में फर्नीचर और लाइटें हिलती हुई दिखाई दीं। झटके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां भी हिलती नजर आईं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 128 किलोमीटर दूर, जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूस की स्टेट जियोग्राफिकल सर्विस ने बताया कि बाद में तीव्रता घटकर 7.4 हो गई। गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा-आज (19 सितम्बर) की सुबह एक बार फिर कामचटका के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले

रही है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूँ। कामचटका के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। जनता को सतर्क किया जा रहा है। भूकंप के बाद सामाजिक संस्थानों और रिहायशी इमारतों में नुकसान की जांच शुरू कर दी गई है। कुरिल द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस और पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की सलाह जारी की थी, जिसे बाद में हटा लिया गया।

चीन ने महिला विकास की उन्नति पर जारी किया श्वेतपत्र

बीजिंग। चीन में राज्य परिषद्

सूचना कार्यालय द्वारा 'नए युग में महिलाओं के सर्वांगीण विकास में चीन की उपलब्धियां' शीर्षक से एक श्वेतपत्र जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पांच अध्यायों वाला यह श्वेतपत्र बीजिंग में आयोजित होने वाली 2025 की लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर वैश्विक नेताओं की बैठक के मद्देनजर है। यह श्वेतपत्र नए युग में लैंगिक समानता और महिलाओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने में चीन के दर्शन, सिद्धांतों और नवीन

परिपाटियों का परिचय प्रदान करता है। यह श्वेतपत्र चीनी महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों और योगदान को रेखांकित करते हुए महिलाओं की उन्नति के लिए वैश्विक प्रयासों में शामिल होने की चीन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। श्वेतपत्र लैंगिक समानता की खोज को एक महान कार्य बताता है और इस बात पर बल देता है कि चीनी महिलाओं को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने और अपने सपनों को साकार करने के इतने व्यापक अवसर पहले कभी नहीं मिले थे।

नेपाली पीएम सुशीला बोलीं: हम जीरो स्टेट की स्थिति में

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सिंह दरबार में 9 सितम्बर को हुई भयानक आगजनी ने देश के सरकारी ढांचे को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। स्थिति इतनी गंभीर है कि नेपाल की नई अंतरिम पीएम सुशीला कार्की ने शपथ लेते ही कहा कि हम शून्य स्थिति (जिरो स्टेट) में हैं। उनके पास कंबिनेट है, लेकिन मंत्रालयों के पास न तो इमारतें बची हैं और न ही जरूरी कागजात।

सिंह दरबार परिसर, जो कभी भव्य महल और 20 से ज्यादा मंत्रालयों का केंद्र था, अब मलबे का ढेर बन चुका है। आग की लपटों ने संसद, भ्रष्टाचार विरोधी विशेष अदालत, और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों को नष्ट कर दिया।

न इमारतें बची और न ही डॉक्यूमेंट्स, जेन-जी आंदोलन की आग में सब राख

सरकारी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, कंपनी रजिस्ट्रेशन, और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के मूल कागजात जलकर राख हो गए। अकेले सुप्रीम कोर्ट की 60 हजार से ज्यादा फाइलें राख हो गईं। जेन-जी आंदोलन के दौरान सिंह दरबार से डाक्यूमेंट्स बाहर फेंक दिया गया। संसद, राष्ट्रपति भवन से लेकर सुप्रीम कोर्ट, भ्रष्टाचार विरोधी अदालत और स्थानीय सरकारों की 300 से अधिक इमारतें भी आग की भेंट चढ़ गईं। पीएम कार्की ने कहा देश चलाने वाली सभी संस्थाएं और दस्तावेज नष्ट हो गए हैं।

अमेरिका ने बीएलए पर बैन के प्रस्ताव को किया वीटो

यूएन में पाकिस्तान-चीन का प्रस्ताव रोका, पिछले महीने यूएस ने ही आतंकी संगठन किया था घोषित

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती यूनिट मजिद ब्रिगेड पर बैन के प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। इस प्रस्ताव को पाकिस्तान और चीन ने मिलकर सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में रखा था। दोनों देशों ने बीएलए को प्रतिबंधित संगठन घोषित करने की मांग की थी।

यूएनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने दावा किया कि बीएलए, मजिद ब्रिगेड, अल-कायदा और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं और सीमा पर हमले कर रहे हैं। उसने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान से फैंल रहा आतंकवाद पाकिस्तान की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती है। अमेरिका के साथ ब्रिटेन और फ्रांस में भी इस प्रस्ताव का विरोध किया है। इससे पहले अमेरिका ने ही पिछले महीने बीएलए



बलूच आर्मी पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की आजादी के लिए लगातार हमले करती रहती है

और मजिद ब्रिगेड को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) घोषित किया था। बलूच आर्मी पाकिस्तान में बलूचिस्तान की आजादी के लिए लगातार हमले करती रहती है। इसमें कई आत्मघाती हमले भी होते हैं। अमेरिका ने कहा है कि बीएलए को अल-कायदा से

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन केसूल अपफीम, चरस, डोटे पोस्ट हंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108